JNU Just In

An initiative of School of Media Studies

JNU Just In | Jaipur | December 2023 | Vol.: 6 | Issue: 12 | Pages: 4 | Price: 1| Monthly Bilingual (Hindi/English)

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में मंथन सत्रः चांसलर डॉ. संदीप बक्शी ने दी नववर्ष की शुभकामनाएं

नवीन मुद्दों पर शोध बेहद जरूरी – डॉ संदीप बक्शी

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में त्रिदिवसीय संवादात्मक मंथन सत्र का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी सत्र में होने वाली रिसर्च गतिविधियों को बढ़ाना और जेएनयू अस्पताल सुविधाओं को आम जनता तक पंहुचाने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर जेएनयू के सभी विभागों के संकाय सदस्य एकत्रित हुए और जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी ने सभी को क्रिसमस और नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर जेएनयू के चांसलर डॉ संदीप बक्शी ने गत वर्ष में हुई रिसर्च गतिविधियों को संज्ञान में लेते हुए कहा कि आगामी वर्ष में हमें और अधिक रिसर्च पब्लिकेशन, पेटेंट, और प्रोजेक्ट करने होंगे और उनका स्तर राष्ट्रीय से अंतरर्राष्ट्रीय करने के लिए सभी को प्रतिबद्ध होना होगा। शोध समाज को प्रभावित करने वाले नवीनत्तम मुद्दों पर होनी चाहिए।

रिसर्च को बढ़ाने के लिए फैकल्टी संकाय सदस्यों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के लिए 25 ला,ा अनुदान देने की घोषणा की। जेएनयू के 100–200 किमी के दायरे में जेएनयू अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सा सुविधाओं को आम जनता तक पंहुचाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए गांवों और शहरों को अस्पताल से जोड़ने के लिए समुचित परिवहन सुविधाओं को राज्य सरकार की सहायता से बहाल किया जाएगा। राजस्थान की जनता के लिए जेएनयू में कैंसर अस्पताल निर्माणधीन है जिससे देश के सभी जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ मिलेगा।

रवि सैनी
एमजेएमसी प्रथम

जेएनयू का राजस्थान की जनता को नववर्ष का तोहफा

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के 100–200 किमी के दायरे में जेएनयू अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सा सुविधाओं को आम जनता तक पंहुचाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया। इसके लिए गांवों और शहरों को अस्पताल से जोड़ने के लिए समुचित परिवहन सुविधाओं को राज्य सरकार की सहायता से बहाल किया जाएगा। राजस्थान की जनता के लिए जेएनयू में कैंसर अस्पताल निर्माणधीन है जिससे देश के सभी जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ मिलेगा।

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

क्या राम मंदिर निर्माण राष्ट्र के लिए अच्छा है?

परिचर्चा

अयोध्या में हो रहे राम मंदिर का निमार्ण जहां एक ओर नए युग के आगमन का प्रतीक है वहीं यह लोगों के लिए रोजगार का नया केंद्र साबित होगा। राम मंदिर अगले 1000 वर्षों के मजबूत, दिव्य और भव्य भारत की नींव बनने के लिए अग्रसर होगा। यह जहां एक ओर कुछ लोगों को सुरक्षा की भावना का अहसास कराएगा वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों को यह रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज़, जेएनयू के छात्रों ने **"क्या राम मंदिर निर्माण राष्ट्र के लिए अच्छा है?"** विषय पर एक परिचर्चा में अपने विचार व्यक्त किए।

मंदिर निर्माण: देश में सुरक्षा का अहसास

राम मंदिर का निर्माण भारत में एक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का कार्य है, जो हिन्दू धर्म के अनुयायियों के लिए अपनी मान्यताओं को दर्शाने का प्रतीक है। राम मंदिर का निर्माण विवादों, दंगों, न्यायिक फैसलों और राजनीतिक दबाव के बीच से गुजरा है, लेकिन अब इसे एक शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आगे बढ़ाया जा रहा है।

राम मंदिर एक हिंदू मंदिर है जो भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के अयोध्या शहर में बनाया जा रहा है। यह राम जन्मभूमि स्थल पर स्थित है, जिसे हिंदू धर्म के प्रमुख देवता रघुवंशी राम का जन्मस्थान माना जाता है। इस जगह पर 16वीं शताब्दी में मंदिर को ध्वस्त कर मुगल बादशाह बाबर द्वारा बाबरी मस्जिद बनवा दी गई थी। इस मस्जिद को 1992 में कारसेवकों द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था, जिन्होंने दावा किया था कि यह मस्जिद पहले से मौजूद राम मंदिर के ऊपर बनायी गयी थी। 2019 तका कोर्ट में यह मामला चलता रहा, परंतु 2019 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर के लिए विवादित भूमि हिंदुओं को देने का फैसला सुनाया।

यह लाखों–करोड़ों हिंदुओं की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रतीक है, जो राम को एक आदर्श राजा और भगवान के स्वरूप के रूप में मानते हैं। यह भारत की प्राचीन विरासत और गौरव की बहाली का भी संकेत है, जो सदियों के विदेशी आक्रमणों और उपनिवेशवाद से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

यह लंबे समय से चले आ रहे और विवादास्पद मुद्दे के शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक समाधान का परिणाम है, जिसके कारण अतीत में सांप्रदायिक हिंसा और रक्तपात हुआ था। यह भारत की धर्मनिरपेक्ष और बहुलवादी प्रकृति का एक उदाहरण है, जहां विभिन्न धर्म सह–अस्तित्व में रह सकते हैं और एक–दूसरे की भावनाओं और अधिकारों का सम्मान कर सकते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि राम मंदिर निर्माण देश में रह रहे लोगों को सुरक्षा की भावना का अहसास कराएगा।

प्रिया रंजन, एमजेएमसी प्रथम्

मंदिर निर्माण राष्ट्र का उत्थान।

भारत में मंदिरों का निर्माण देश के विकास में बहुत तेजी से सहायक सिद्ध हो रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था में मंदिर 3.02 लाख करोड का योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा तमिलनाडु के मंदिरों द्वारा चलाए जा रहे स्कूल कॉलेज में आज 3.30 लाख विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा दैनिक जागरण समाचार पत्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के धार्मिक क्षेत्र में 35 करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है। जिसमें सबसे ज्यादा रोजगार मंदिरों से मिल रहा है। भारत में समय–समय पर सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण करने वाले संगठन राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ), की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय बिजनेस ट्रिप में भारतीय लोग सबसे ज्यादा धार्मिक यात्राएं कर रहे हैं। भारत में हर व्यक्ति हर दिन धार्मिक यात्रा पर 2717 रुपए खर्च कर रहा है। सालाना धार्मिक यात्रा पर खर्च 4.74 लाख करोड़ रुपए का है जो भारत की कुल जीडीपी का 2.32 परसेंट है। आशा है कि मंदिरों के निर्माण से धार्मिक यात्राओं पर खर्च बढ़ेगा और मंदिर राष्ट्र निर्माण में और अधिक योगदान दे सकेंगे।

रवि सैनी

एमजेएमसी प्रथम्

राम नाम एक बार फिर गूंजेगा

अयोध्या नगरी तैयार है अपने रामलला के स्वागत के लिए। हालांकि ऐसा तो नहीं है कि प्रभु श्री राम कहीं गए थे बल्कि राम तो अयोध्या में ही थे। बस हो यह रहा था कि भक्तजन अपने प्रभु से मिल नहीं पा रहे थे। परंतु अब भक्त अपने प्रभु राम को बिना किसी विघ्न के निहार पाएंगे। इस बार राम नाम की गूंज पूरे भारतवर्ष तक फैलेगी।

आज से लगभग 500 वर्ष पहले बाबर द्वारा तोड़े गए राम जन्मभूमि को दोबारा स्थापित करने में काफी समय व बहुत से लोगों की कुर्बानीयाँ लगी है। पर आखिर अब 22 जनवरी 2024 को एक बार फिर अयोध्या में सिर्फ राम का नाम गूंजेगा।

हालांकि यह सिर्फ एक पौराणिक और ऐतिहासिक जीत ही नहीं, अयोध्या की कायापलट का एक अग्रिम रूप भी है। इससे ना सिर्फ यह पावन नगरी बल्कि पूरे भारत को भी अत्यधिक लाभ होगा। कुछ निम्नलिखित लाभ जो यह भव्य मंदिर प्रदान करेगा:–

पर्यटन: एक बार फिर अयोध्या पर्यटकों से गुलजार हो जाएगा। देश विदेश से लाखों करोड़ों पर्यटक व तीर्थ यात्री यहाँ प्रस्थान करेंगे जिसका संबंध सीधा भारत की इकोनॉमी से होगा। कहा जा रहा है अयोध्या में इतनी व्यवस्था की गई है कि रोज़ाना करीबन तीन से चार लाख श्रद्धालु राम लला के दर्शन कर सकते हैं।

रोजगार: पर्यटक बढ़ेगें तो बहुत से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। अभी तक अयोध्या के निवासियों के लिए कृषि क्षेत्र आय का बहुत बड़ा योगदान करता आ रहा है। परंतु अब ज्यादा तीर्थयात्रियों के आगमन से वे टैक्सी, रिक्शा, होटल आदि से भी आय कमा सकेंगे।

ज़रूर ही यह हिन्दू संस्कृति की एक एतिहासिक

जीत है लेकिन साथ ही साथ यह अपने देश की पौराणिक गाथाओं को पूरे विश्व को बताने में भी एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

मोहित सिंघल, बीजेएमसी तृतीय

मंदिर निर्माण देश के एक वर्ग के लिए ही अच्छा है।

राम मंदिर का निर्माण अपने आप में एक विकास है, न केवल हिन्दूओं के लिए बल्कि मानवता के लिए भी। भगवान राम में आस्था रखने वाले लोग २२ जनवरी के बाद उनके दर्शन एवं पूजा करने के लिए अयोध्या जा सकते हैं।

मगर हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि राम मंदिर धार्मिक आधार पर विकास है। सरकार को विकास के अन्य रूपों पर भी ध्यान देना चाहिए जैसे – आर्थिक, समाजिक और इनफ्लेशन, बेरोजगारी। सरकार को राजनीति को धर्म से दूर रखना चाहिए, बेरोजगारी, इनफ्लेशन सबसे बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि यह सिर्फ एक वर्ग को नहीं बल्कि पूरे देश को प्रभावित करता है।

ज़ारा अहमद, बीजेएमसी प्रथम्

राम मंदिर से आर्थिक और धार्मिक उन्नति

अभी कुछ समय से सिर्फ चर्चा में राम मंदिर ही सुनाई पड़ रहा है। आखिर यह चर्चा में क्यों न हो। राम मंदिर हिंदुओं के लिए एक बड़ा अहम मुद्दा है। क्योंकि 500 वर्षों से जो दुर्गति उनकी भावनाओं के साथ हुई है उसे वह ही

जानते हैं। और तो और भारत की आजादी के बाद तो उनके रामलला के दर्शन भी दुर्लभ हो गए थे, वह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का जिसने सन् 2019 में राम मंदिर के पक्ष में फैसला दिया ताकि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो सके। वह लोग भगवान राम के साथ साथ मौजूदा सरकार पर भी विश्वास करते हैं जो उनके के लिए राम मंदिर बनवा रही है। राम मंदिर बहुत ज्यादा महत्त्वपूर्ण है मगर सवाल उन लोगों का भी उठ रहा है कि जो भगवान राम से कोई ताल्लुक न रखते हो। अब बात उन समाज पर आ रही है जो कि राम मंदिर निर्माण जिस जगह हो रहा है वहां रहते हैं। मगर देखा जाए तो राम मंदिर के निर्माण से उनका भी बड़ा लाभ हो रहा है। जैसे उन लोगो को रोजगार मिल रहे हैं। उन लोगो के साथ देश का भी फायदा हो रहा है जैसे, पर्यटन की दृष्टि से देखा जाए तो विदेशी लोग इससे आकर्षित हो रहे हैं और इसके कारण देश में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। राम मंदिर सिर्फ एक ही धर्म के लोगो को देख कर नहीं बनाया जा रहा है बल्कि बाकी धर्मों के लोगो को भी उससे फायदा है। और देखा जाए तो राम मंदिर एक ऐतिहासिक धरोहर है हमारे देश की हमेशा यह रीत रही है कि ऐतिहासिक धरोहर को संभाल के रखें।

राम मंदिर धरोहर के साथ कई लोगो की आस्था से भी जोड़ी गई है। इस आने वाली 22 जनवरी को राम मंदिर में भगवान राम का तिलक करा जाएगा जिसकी जोरों से तैयारियां हो रही हैं क्योंकि उसमें हमारे देश के लोगो की आस्था है और हमारे देश में हमेशा सभी की आस्था को सम्मान दिया जाता है। और दूसरी तरफ दूसरे धर्म के लोगो की आस्था को देख कर उनके लिए काम करवाया जा रहा है जैसे मुस्लिम धर्म के लोगो को उनकी मस्ज़िद के लिए ज़मीन दी गई है साथ ही राम मंदिर के कारण रोजगार भी बढ़ चुके है। राम मंदिर का निमार्ण एक तरीके से बहुत सही है इससे हमारे देश में आर्थिक व धार्मिक चहुं ओर उन्नति हो रही है

भूमिका व्यास, बीजेएमसी प्रथम्

शेष पृष्ठ 4 पर...

Timeline
This Month...

December 25th - Christmas Day, commemorating the birth of Jesus of Nazareth. Although the exact date of his birth is not known, it has been celebrated on December 25th by the Western (Roman Catholic) Church since 336 A.D.

••••••

December 25, 1066 - William the Conqueror was crowned King of England after he had invaded England from France, defeated and killed King Harold at the Battle of Hastings, then marched on London.

••••••

December 29, 1170 - Thomas Becket, Archbishop of Canterbury, was murdered by four knights acting on orders from England's King Henry II.

••••••

Compiled by: Ms. Poonam

Vocabulary

Byline: The name printed below the title of a newspaper or magazine article, crediting the author.

••••••

Codes: Codes are systems of meanings.

••••••

Consumer: In the context of media it refers to receivers and audiences as economic participants.

••••••

Commons: Types of assets held in collective or communal ownership rather than as private commodities. Assets in this context does not necessarily mean tangible commodities but can include assets like internet /cyber spaces where media can be commonly shared.

••••••

Consumer cultures: Refers to a theory according to which human society is strongly subjected to the learned behaviours and schemas of consumerism.

••••••

Compiled by: Dr. Vijay Singh

जेएनयू में अत्याधुनिक सिटी स्कैन मशीन का उद्घाटन

जेएनयू हॉस्पिटल की ओर से उन्नत और अत्याधुनिक रेडियो–डायग्नोस्टिक सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से रेडियो–डायग्नोसिस विभाग में सबसे उन्नत डूअल एनर्जी 384 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन स्थापित की गई। यह पूरी तरह से आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस पर आधारित है। उद्घाटन के अवसर पर जेएनयू चांसलर डॉ. संदीप बक्शी, जेएनयूआइ एमएसआरसी के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक ले. जनरल डॉ. बी के चोपड़ा, मेडीकल सुपरिटेंडेंट ब्रिगेडियर डॉ. एस बी महाजन के साथ मेडिकल संकाय के शिक्षक एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

प्रिया रंजन, एमजेएमसी प्रथम्

Kathan

"Success is not final; failure is not fatal: It is the courage to continue that counts."

- Winston S. Churchill

••••••

"Success is getting what you want, happiness is wanting what you get."

- W. P. Kinsella

••••••

"Don't let yesterday take up too much of today."

- Will Rogers

••••••

"If you are working on something that you really care about, you don't have to be pushed. The vision pulls you."

- Steve Jobs

••••••

"Goal setting is the secret to a compelling future."

- Tony Robbins

••••••

Compiled by: Mr. Rahul K Darji

क्या राम मंदिर निर्माण राष्ट्र के लिए अच्छा है? **पृष्ठ 3 से आगे...**

राम मंदिर निर्माण देश कें समग्र विकास में मददगार

राम मंदिर यदि एक साधारण मंदिर होता तो सवाल उठाया जा सकता था कि वह बनना चाहिए या नहीं, परंतु यह कोई साधारण मंदिर नहीं बल्कि प्रभु राम का जन्मस्थान है, और यह बात भारत के सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी मानी जा चुकी है। मंदिर बनने से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और उससे अयोध्या की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी ही। जब रोजगार बढ़ेंगे तो यह नहीं पता चलेगा कि रोजगार किस धर्म के मानने वालों को मिला है। कोई ट्रांस्पोर्टेशन में रोजगार ढूंढेगा, कोई विश्राम स्थल में, कोई खानपान में, कोई फल–फूलों में तो कोई प्रसाद बेचने में रोजगार को तलाश करेगा।

अंततः, राम मंदिर कई मायनों में सभी के लिए फायदेमंद है। रोजगार होगा तो सभी कमा पाएंगे। एक ना एक दिन यह फैसला किसी एक पक्ष में जाना ही था। इस मुद्दे के खत्म होते ही, भारत की राजनीति से एक बहुत बड़ी अड़चन समाप्त हो गई है। और आशा है कि इस परिपेक्ष में सभी विकास और शिक्षा की बातें करेंगे और राम मंदिर भी रोजगार के साथ साथ शिक्षा और देश के समग्र विकास में मददगार साबित होगा।

हिमांशु पांडे, बीएजेएमसी प्रथम्

Ankit Deegwal

Winner of New York Festival's Golden Award for Best Audio Fiction Drama

JNU takes pride in students like Ankit Media School Alumni, who epitomize our dedication to excellence. Ankit's accomplishments contribute to JNU's impressive track record. Their successes are a testament to why JNU stands tall. Enrolling at JNU means your educational journey becomes a direct route to success.

Chief Patron: Dr. Sandeep Bakshi; **Patrons:** Prof. H. N. Verma, Prof. RL Raina; **Editor:** Dr. Sanjay Srivastava, Rahul Mittal; **Editorial Board:** Dr. Vijay Singh, Ms. Manisha Sharma

Student Editorial Team: Priya Ranjan, Ridhi; Mohit, Teena, Harshita; **Photography:** Mr. Gaurav Sharma, Mr. Roushan, Prem, Nitish